



न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

सत्यमेव जयते



माता-पिता और वरिष्ठ
नागरिकों का भरण-पोषण
तथा कल्याण अधिनियम,
2007



न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

सत्यमेव जयते

अधिनियम को समझें



माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 भारत सरकार का एक अधिनियम है जो की वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए लाया गया था। इसका विधेयक सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय द्वारा लाया गया था। इसके अनुसार बच्चों को अपने माता-पिता का भरण-पोषण करने की आवश्यकता है और सरकार वृद्धाश्रम की सुविधा प्रदान करने व वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।





न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

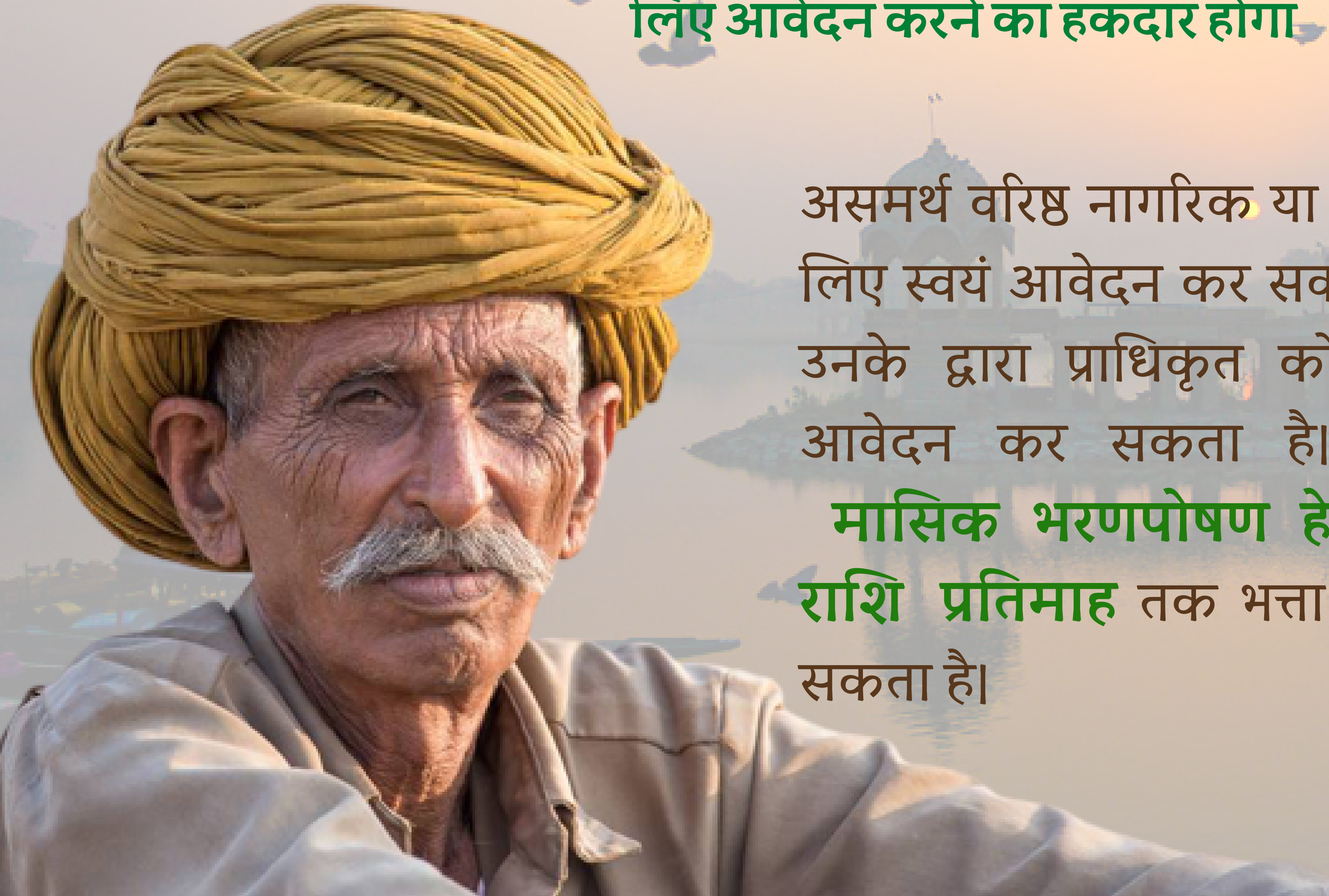
सत्यमेव जयते

अधिनियम के अंतर्गत अधिकार



अधिनियम के अनुसार, कोई भी वरिष्ठ नागरिक या माता-पिता, जो अपनी कमाई या अपने स्वामित्व वाली संपत्ति से खुद का भरण-पोषण करने में असमर्थ है, अधिनियम के अंतर्गत अपने बालक या नातेदार से मासिक भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदन करने का हकदार होगा।

असमर्थ वरिष्ठ नागरिक या माता-पिता भरण-पोषण के लिए स्वयं आवेदन कर सकते हैं। यदि वे अशक्त हैं तो उनके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति या संगठन भी आवेदन कर सकता है। अधिनियम के अंतर्गत **मासिक भरणपोषण हेतु अधिकतम ₹10,000 राशि प्रतिमाह** तक भत्ता देने का आदेश किया जा सकता है।





न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

सत्यमेव जयते



आपने अधिकार को पहचानो!

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण टोल फ्री
हेल्पलाइन नंबर: 15100, 9928900900